Regarding honorarium to Aanganwadi workers

श्री जगदम्बिका पाल **(डुमरियागंज) :** अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपका अत्यंत आभारी हूं । यह अत्यंत लोक महत्व का विषय है । न ही सत्ता पक्ष और न ही प्रतिपक्ष, बल्कि संपूर्ण सदन के सभी सदस्य इस बात से सहमत होंगे कि पूरे देश में लगभग 12,93,448 आंगनवाड़ी बहनें कार्यकत्री के रूप में दिन-रात काम कर रही हैं । लगभग 11,64,178 सहायिकाएं हैं । सिर्फ उत्तर प्रदेश में 1,54,342 कार्यकत्री हैं और 1,32,671 सहायिकाएं हैं ।

पहले इनका काम केवल यह था कि तीन से छः वर्ष की आयु के बच्चों को स्कूल जाने से पहले उनके माता-पिता को पुष्टाहार के बारे में समझाना था ।

आज वे केन्द्र की सारी योजनाओं को लागू करती हैं । अभी हम लोगों का चुनाव खत्म हुआ है । वे उस चुनाव में बीएलओ की भूमिका निभा रही थीं । वे संचारी रोग में भी काम कर रही हैं और उन्होंने कोविड के दौरान भी काम किया था । मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि इनको वर्ष 2017 के तहत प्रधान मंत्री की पहल पर 26 सप्ताह की मैटरनिटी बेनिफिट लीव नहीं मिलती है । ये गर्मियों की छुट्टियों में भी आंगनबाड़ी केन्द्र खोलती हैं । उत्तर प्रदेश में इनका मानदेय 4500 रुपये है । पिछले दिनों मोदी जी की सरकार ने 1500 रुपये बढ़ाए हैं । हमारी मांग यह है कि पूरे देश की आंगनबाड़ी की बहनों के मानदेय में एकरूपता आए, क्योंकि उत्तराखण्ड में 12 हजार रुपये और हमारे यहां 4500 रुपये मानदेय है । इनको मैटरिनिटी लीव के अंतर्गत छुट्टियां दी जाएं । इनको माह में केवल दो छुट्टियां मिलती हैं । इनको ग्रीष्मकालीन अवकाश भी दिया जाए ।